MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY

BHARATPUR (RAJASTHAN)

SYLLABUS

FOR

THREE/FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME IN ARTS

AS PER THE NEP 2020

SEMESTER - VIth

MAJOR DISCIPLINE - SANSKRIT

WITH EFFECTIVE FROM SESSION 2025-26 & ONWARDS

प्रभारी अकादमिक प्रथम

(Only For Regular Students)

SEMESTER BASED SCHEME OF EXAMINATION

B.A. (SANSKRIT) SEMESTER – VIth (W.E.F. 2025-2026)

CREDITS : 06
Exam TIME DURATION : 03 HRS.
Minimum Passing Marks : 60

PERIOD PER WEEK : 06
MAXIMUM MARKS : 150

DISTRIBUTION OF MARKS

Continuous Assessment Marks Weightage				**External Assessment Marks Weightage**	**Total**
Attendance Marks*	Assignment Marks	Midterm Exam Marks	Total Marks	End of Semester Exam	**06 Credit**
7.5	7.5	15	30	120	150
Minimum passing marks (40%)			12	48	**60**

* - Attendance Marks Range - 86 to 100% = 7.5 Marks, 81 to 85% = 05 Marks, 76 to 80% = 04 Marks & on gaining 75% = 03 Marks.

Paper name & Paper Code of B.A. (Sanskrit) IIIrd Year Semester – VIth

Code & Nomenclature of Paper		**Per week Teaching Hrs & Credits**		**Distribution of Marks**		
Paper Code	Nomenclature	Lecture	Credit	Internal Assess.	EoSE Assess.	Total
SAN-10T-601	उपनिषद् एवं व्याकरण	06	06	30	120	150
SAN-10T-602	स्मृतिशास्त्र एवं व्याकरण					
SAN-10T-603	वीरकाव्य एवं व्याकरण					

नोट :– उपर्युक्त प्रश्नपत्रों में से किसी एक का चयन करना है।

(नियमित विद्यार्थियों हेतु सामान्य निर्देश)

- षष्ठ सेमेस्टर में 150 अंक का एक प्रश्न–पत्र होगा। पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र तीन विकल्पों में उपलब्ध होगा जिनमें से विद्यार्थी को परीक्षा हेतु एक प्रश्नपत्र का चयन करना है। पूर्णांक 150 का 80 प्रतिशत अर्थात् 120 अंक का सैद्धान्तिक तथा पूर्णांक का 20 प्रतिशत अर्थात् 30 अंक का मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- **मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन** के 30 अंकों में विषय आधारित लिखित (मिड टर्म) परीक्षा 15 अंक, कक्षा में उपस्थिति के 7.5 अंक तथा मौखिक परीक्षा के 7.5 अंक निर्धारित हैं।
- 30 अंक के उक्त मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के लिए नियमित विद्यार्थियों को न्यूनतम 12 अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। इसमें उत्तीर्ण परीक्षार्थी ही मुख्य सैद्धान्तिक परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी को परीक्षा आवेदन पत्र भरने एवं मुख्यपरीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।
- नियमित विद्यार्थियों की 03 घंटे की सैद्धान्तिक परीक्षा के प्रश्नपत्र का पूर्णांक 120 होगा जिसमें उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम (40 प्रतिशत) अर्थात् 48 अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं।

प्रभारी अकादमिक प्रथम

- विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने के लिए मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन एवं सत्रान्त परीक्षा दोनों में अलग–अलग न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक अर्जित करने होंगे।
- प्रश्न–पत्र में श्लोक / गद्य / सूत्र संस्कृत भाषा में पूछे जा सकेंगे शेष हिन्दी भाषा में होगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि वह हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक द्वारा किसी प्रश्न–विशेष के लिए भाषा का निर्देश किया गया है तो उस प्रश्न का उत्तर निर्दिष्ट भाषा में ही देना अनिवार्य है।
- संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
- पूर्ण पाठ्यक्रम से अनुवाद, व्याख्या, लघूत्तरात्मक एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
- प्रश्नपत्र में संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, लेकिन जिस प्रश्नपत्र में संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत भाषा में उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक वाली बाध्यता नहीं होगी।
- प्रश्न–पत्र में 'अ' एवं 'ब' 02 भाग होंगे। भाग 'अ' में स्थित अनिवार्य प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से बिना किसी आन्तरिक विकल्प के 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे। उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में देय होगा। प्रति प्रश्न 02 अंक निर्धारित हैं। प्रथम 05 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में देना होगा। प्रश्नपत्र में यदि संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा गया है तो उक्त 05 प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में भी स्वीकार्य होंगे।
- भाग 'ब' में प्रश्न सं. 02 से अन्तिम प्रश्न तक के प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प होंगे।

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत) **Major Discipline Specific Elective Course**	
COURSE CODE	**SAN-10T-601**
प्रश्नपत्र का नाम	**उपनिषद् एवं व्याकरण**
क्रेडिट	**06**
अपेक्षित अध्यापन समय	**प्रति सप्ताह 06 घण्टे एवं 90 कार्यदिवस**
योग्यता	**UG Diploma (स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)**

पाठ्यक्रम (नियमित विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	**निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक**	**अंक**
1.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथम वल्ली)	25
2.	श्वेताश्वतरोपनिषद् (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)	25
3.	प्रश्नोपनिषद्	25
4.	**संस्कृत निबन्ध एवं अनुवाद** **निबन्ध**– मम प्रियः कविः, कालिदासः, बाणः, भारविः, स्त्री–शिक्षा, भारतीयसंस्कृतिः, परोपकारः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, सत्संगतिः, विद्यायाः महत्त्वम्, पर्यावरणस्य महत्त्वम्, उद्योगस्य महत्त्वम्, विज्ञानस्य चमत्कारः, दूरदर्शनम्। **अनुवाद**– संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत भाषा में।	25
5.	**प्रत्यय–ज्ञान**– तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, केलिमर्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, त्व, तल्, तरप्, तमप्, टाप्, ङीप्, ङीष् एवं ङीन् प्रत्ययों के सूत्र एवं उनसे बने शब्दों में प्रकृति–प्रत्यय सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।	20

प्रभारी अकादमिक प्रथम

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग मेंलघू0 प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथमवल्ली)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
2.	श्वेताश्वतरोपनिषद् (अध्याय 1 एवं 2)	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
3.	प्रश्नोपनिषद्	02	04	4 अ सप्रसंग व्याख्या 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
4.	संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	02	04	5 अ संस्कृत निबन्ध 5 ब हिन्दी से संस्कृतानुवाद 5 स संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	10 1x5 1x6	4+21 =25
5.	प्रत्यय–ज्ञान	02	04	6 अ शब्द = प्रकृति+प्रत्यय 6 ब प्रकृति+प्रत्यय = शब्द	2x4 2x4	4+16 =20
कुल योग		**10**	**20**	**05**	**100**	**120**

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथमवल्ली)	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/2	(अ) 04 मन्त्रों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी। (ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	6+6=12 9
द्वितीय इकाई श्वेताश्वतरोपनिषद् (अध्याय 1 एवं 2)	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/3	(अ) 04 मन्त्रों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी। (ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	6+6=12 9
तृतीय इकाई प्रश्नोपनिषद्	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/4	(अ) 04 मन्त्रों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी। (ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	6+6=12 9
चतुर्थ इकाई संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/5	(अ) निर्धारित निबन्धों में से 06 शीर्षक देकर किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा जायेगा।	10
		(ब) 08 हिन्दी वाक्य देकर 05 का संस्कृतानुवाद प्रष्टव्य।	1x5=5
		(स) 10 संस्कृतसूक्तियाँ/वाक्य देकर 06 का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	1x6=6
पंचम इकाई प्रत्यय–ज्ञान	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/6	(अ) प्रत्ययों से बने 08 शब्द/उद्धरण देकर किन्हीं 4 शब्दों के प्रकृति एवं प्रत्यय पूछे जायेंगे। (ब) प्रकृति एवं प्रत्यय के योग से 04 शब्दों के निर्माण करवाये जायेंगे।	2X4=8 2X4=8
		कुल अंक	**120**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- पाठ्यक्रम में निर्धारित उपनिषदों का अधिगम कराया जाना।
- विद्यार्थियों में औपनिषदिक ज्ञान विकसित करना।
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, धैर्य व निर्णयक्षमता विकसित करना।
- उपनिषद् वाङ्मय के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों का आध्यात्मिक एवं दार्शनिक अवधारणाओं से परिचय कराना।
- संस्कृत भाषा में अनुवाद के कौशल और प्रवीणता की विधियों का ज्ञान दिया जाना।
- संस्कृत निबन्ध लेखन के माध्यम से संस्कृत भाषा में निबन्ध–लेखन के कौशल का अधिगम कराना।
- प्रत्ययों एवं धातुओं के संयोग से नूतन शब्द–निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- संस्कृतव्याकरण की वैज्ञानिकता से परिचित कराना।
- धातुरूपों एवं शब्दों में प्रकृति एवं प्रत्यय के अन्वेषण का सामान्य ज्ञान कराया जाना।

पाठ्यक्रमाधिगम के परिणाम

- पाठ्यक्रम में निर्धारित उपनिषदों के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी आध्यात्मिकता एवं परमात्मा की सर्वव्यापकता और जीवन के परम लक्ष्य मोक्ष का बोध कर सकेंगे।
- उपनिषदों के माध्यम से विद्यार्थियों में भक्ति, ज्ञान और अध्यात्म समन्वय का समग्र दृष्टिकोण विकसित हो सकेगा।
- निबन्धलेखन एवं अनुवाद कौशल के अधिगम से विद्यार्थियों में प्रवीणता विकसित हो सकेगी।
- प्रत्ययों के ज्ञान के अधिगम से विद्यार्थियों की शब्दनिर्माण की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- प्रत्ययों के अधिगम से विभिन्न धातुओं में अनेक प्रत्ययों को जोड़कर एवं प्रत्ययों से बने शब्दों में प्रकृति एवं प्रत्यय के अन्वेषण एवं पहचान में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न शब्दों में प्रयुक्त धातुओं की पहचान एवं अन्य धातुओं से नये शब्दों का निर्माण करने तथा सम्यक् स्थान पर उनका प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- लेखन एवं पठन के दौरान समागत विभिन्न त्रुटियों एवं अशुद्धियों को पहचान कर उचित संशोधन करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथम वल्ली)	डॉ. देवेन्द्र नाथ पाण्डेय	हंसा प्रकाशन, जयपुर
2.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथम वल्ली)	डॉ. जे.सी. नारायणन्	अलंकार प्रकाशन, जयपुर
3.	श्वेताश्वतरोपनिषद् (अध्याय 1,2)	पं. राजा राम	आर्ष ग्रन्थावलि लाहौर
4.	ईशादि नौ उपनिषद्	गीता प्रेस गोरखपुर	गीता प्रेस गोरखपुर
5.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6.	संस्कृतनिबन्धशतकम्	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7.	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
8.	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
9.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

प्रभारी अकादमिक प्रथम

द्वितीय वैकल्पिक प्रश्न पत्र

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत) Major Discipline Specific Elective Course	
Course Code	SAN-10T-602
प्रश्नपत्र का नाम	स्मृतिशास्त्र एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित अध्यापन समय	प्रति सप्ताह 06 घण्टे एवं 90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (नियमित विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय 1–124 श्लोक तक)	25
2.	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय 125 वें श्लोक से अन्त तक)	25
3.	याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	25
4.	**संस्कृत निबन्ध एवं अनुवाद** **निबन्ध**– मम प्रियः कविः, कालिदासः, बाणभट्टः, भारविः, भारतीयसंस्कृतिः, दूरदर्शनम्, सत्संगतिः, स्त्री–शिक्षा, परोपकारः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्यायाः महत्त्वम्, पर्यावरणस्य महत्त्वम्, उद्योगस्य महत्त्वम्, विज्ञानस्य चमत्कारः। **अनुवाद**– संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत भाषा में।	25
5.	**प्रत्यय–ज्ञान**– तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, केलिमर्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, त्व, तल्, तरप्, तमप्, टाप्, ङीप्, ङीष् एवं ङीन् प्रत्ययों के सूत्र एवं उनसे बने शब्दों में प्रकृति–प्रत्यय सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।	20

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग में लघू0 प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	मनुस्मृति (अध्याय 2 के श्लोक 1–124)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21= 25
2.	मनुस्मृति (अध्याय 2 के 125वें श्लोक से अन्त)	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
3.	याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	02	04	4 अ सप्रसंग व्याख्या 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
4.	संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	02	04	5 अ संस्कृत निबन्ध 5 ब हिन्दी से संस्कृतानुवाद 5 स संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	10 1x5 1x6	4+21 =25
5.	प्रत्यय–ज्ञान	02	04	6 अ शब्द = प्रकृति+प्रत्यय 6 ब प्रकृति+प्रत्यय = शब्द	2x4 2x4	4+16 =20
कुल योग		10	20	05	100	120

प्रभारी अकादमिक प्रधान

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग / प्रश्नक्रम	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई मनुस्मृति (द्वितीयाध्याय श्लोक 1–124)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/2	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या प्रष्टव्य।	6+6
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	9
द्वितीय इकाई मनुस्मृति (द्वितीयाध्याय - श्लोक 125 से अंत तक)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/3	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	6+6
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	9
तृतीय इकाई याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/4	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	6+6
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	9
चतुर्थ इकाई संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/5	(अ) निर्धारित निबन्धों में से 06 शीर्षक देकर किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा जायेगा।	10
		(ब) 08 हिन्दी वाक्य देकर 05 का संस्कृतानुवाद प्रष्टव्य।	1X5
		(स) 10 संस्कृतसूक्तियाँ/वाक्य देकर 06 का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	1X6
पंचम इकाई प्रत्यय–ज्ञान	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/6	(अ) प्रत्ययों से बने 08 शब्द/उद्धरण देकर किन्हीं 04 शब्दों के प्रकृति एवं प्रत्यय पूछे जायेंगे।	2X4
		(ब) प्रकृति एवं प्रत्यय के योग से 04 शब्दों के निर्माण करवाये जायेंगे।	2X4
		कुल अंक	**120**

<u>पाठ्यक्रम के उद्देश्य</u>

- मनुविरचित मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय का अधिगम कराया जाना।
- विद्यार्थियों को साहित्यिक रसास्वादन कराया जाना।
- विद्यार्थियों को स्मृतिशास्त्रों का अधिगम कराया जाना।
- याज्ञवल्क्यस्मृति के आचाराध्याय का अधिगम कराया जाना।
- स्मृतिग्रन्थों के उत्तम ज्ञान से विद्यार्थियों में चारित्रिक उत्कृष्टता पैदा करना।
- संस्कृत भाषा में अनुवाद के कौशल और प्रवीणता की विधियों का ज्ञान कराया जाना।
- संस्कृत निबन्धलेखन द्वारा संस्कृत भाषा में निबन्ध–लेखन के कौशल का अधिगम कराना।
- प्रत्ययों एवं धातुओं के संयोग से नूतन शब्द–निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- संस्कृतव्याकरण की वैज्ञानिकता से अध्येताओं को परिचित कराना।
- धातुरूपों एवं शब्दों में प्रकृति एवं प्रत्यय के अन्वेषण का सामान्य ज्ञान कराया जाना।

प्रभारी अकादमिक प्रथम

पाठ्यक्रमाधिगम के परिणाम

- मनुस्मृति के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी साहित्यिक रसास्वादन कर सकेंगे।
- मनुस्मृति के अधिगमोपरान्त विद्यार्थी प्राचीन संविधान व नियमों का बोध कर सकेंगे।
- स्मृतिशास्त्रों के उत्तम ज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी अपने आप में चारित्रिक उत्कृष्टता विकसित कर सकेंगे।
- निबन्धलेखन एवं अनुवादकौशल के अधिगम से विद्यार्थियों में प्रवीणता विकसित हो सकेगी।
- प्रत्ययों के ज्ञान से विद्यार्थियों की शब्दनिर्माण की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- प्रत्ययों के अधिगम से विभिन्न धातुओं में अनेक प्रत्ययों को जोडकर एवं प्रत्ययों से बने शब्दों में प्रकृति एवं प्रत्यय के अन्वेषण एवं पहचान में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न शब्दों में प्रयुक्त धातुओं की पहचान एवं अन्य धातुओं से नये शब्दों का निर्माण करने तथा सम्यक् स्थान पर उनका प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- लेखन एवं पठन के दौरान समागत विभिन्न त्रुटियों एवं अशुद्धियों को पहचान कर उचित संशोधन करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	मनुस्मृति(अध्याय 2)	डॉ. श्याम शर्मा	नितिन पब्लिकेशन, अलवर
2.	मनुस्मृति(अध्याय 2)	डॉ. भेषराज शर्मा	हंसा प्रकाशन, जयपुर
3.	याज्ञवल्क्य स्मृति	डॉ. उमेश चन्द पाण्डेय	चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4.	याज्ञवल्क्य स्मृति	डॉ. गंगासागर राय	चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6.	संस्कृतनिबन्धशतकम्	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
8.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
9.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

प्रभारी अकादमिक प्रथम

तृतीय वैकल्पिक प्रश्न पत्र

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत) Major Discipline Specific Elective Course	
COURSE CODE	SAN-10T-603
प्रश्नपत्र का नाम	वीरकाव्य एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित अध्यापन समय	प्रति सप्ताह 06 घण्टे एवं 90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (नियमित विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ/पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	रामायण बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	25
2.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	25
3.	महाभारत, उद्योगपर्व, विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	25
4.	**संस्कृत निबन्ध एवं अनुवाद** **निबन्ध**– मम प्रियः कविः, कालिदासः, बाणभट्टः, भारविः, दूरदर्शनम्, सत्संगतिः, स्त्री–शिक्षा, भारतीयसंस्कृतिः, परोपकारः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्यायाः महत्त्वम्, पर्यावरणस्य महत्त्वम्, उद्योगस्य महत्त्वम्, विज्ञानस्य चमत्कारः। **अनुवाद**– संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत भाषा में।	25
5.	**प्रत्यय–ज्ञान**– तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, केलिमर्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, त्व, तल्, तरप्, तमप्, टाप्, ङीप्, ङीष् एवं ङीन् प्रत्ययों के सूत्र एवं उनसे बने शब्दों में प्रकृति–प्रत्यय सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।	20

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग के लघूत्तरा. प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
2.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
3.	विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	02	04	4 अ सप्रसंग व्याख्या 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
4.	संस्कृत–निबन्ध एवं अनुवाद	02	04	5 अ संस्कृत निबन्ध 5 ब हिन्दी से संस्कृतानुवाद 5 स संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	10 1x5 1x6	4+21 =25
5.	प्रत्यय–ज्ञान	02	04	6 अ शब्द = प्रकृति+प्रत्यय 6 ब प्रकृति+प्रत्यय = शब्द	2x4 2x4	4+16 =20
कुल योग		**10**	**20**	**05**	**100**	**120**

प्रभारी अकादमिक प्रथम

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग / प्रश्न क्र.	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/2	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	6+6
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	9
द्वितीय इकाई रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/3	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	6+6
		(ब) 02 निबंधात्मक प्रश्नों में से 01 का उत्तर प्रष्टव्य।	9
तृतीय इकाई विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/4	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	6+6
		(ब) 02 समालोचनात्मक प्रश्नों में से 01 का उत्तर प्रष्टव्य।	9
चतुर्थ इकाई संस्कृत–निबन्ध एवं अनुवाद	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/5	(अ) निर्धारित निबन्धों में से 06 शीर्षक देकर किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा जायेगा।	10
		(ब) 08 हिन्दी वाक्य देकर 05 का संस्कृतानुवाद प्रष्टव्य।	1x5
		(स) 10 संस्कृत–सूक्तियाँ/संस्कृत–वाक्य देकर किन्हीं 06 का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	1x6
पंचम इकाई प्रत्यय–ज्ञान	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/6	(अ) प्रत्ययों से बने 08 शब्द/उद्धरण देकर किन्हीं 4 शब्दों के प्रकृति एवं प्रत्यय पूछे जायेंगे।	2x4
		(ब) प्रकृति एवं प्रत्यय के योग से 04 शब्दों के निर्माण करवाये जायेंगे।	2x4
		कुल अंक	**120**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- रामायण एवं महाभारत जैसे वीरकाव्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए उनमें विद्यमान आदर्श शिक्षाओं का अधिगम कराना।
- विद्यार्थियों को वीरकाव्यों का अधिगम एवं साहित्यिक रसास्वादन कराया जाना।
- भारतीय संस्कृति एवं उसमें विद्यमान विविध उत्तम गुणों का अधिगम कराया जाना।
- संस्कृत पुरातन एवं सनातन ज्ञान परम्परा के उत्तम ज्ञान से विद्यार्थियों में चारित्रिक उत्कृष्टता पैदा करना।
- महाभारत जैसे महाकाय आर्षकाव्य में घटित राजनैतिक एवं सामाजिक परिदृश्यों से प्राप्त शिक्षाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाना।
- संस्कृत भाषा में अनुवाद के कौशल और प्रवीणता की विधियों का ज्ञान दिया जाना।
- संस्कृत निबन्धलेखन से संस्कृत भाषा में निबन्धलेखन के कौशल का अधिगम कराना।
- प्रत्ययों एवं धातुओं के संयोग से नूतन शब्द–निर्माण की प्रक्रिया से परिचय कराना।
- संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता से अध्येताओं को परिचित कराना।
- धातुरूपों एवं शब्दों में प्रकृति एवं प्रत्यय के अन्वेषण का सामान्य ज्ञान कराया जाना।

प्रभारी अकादमिक प्रधान

पाठ्यक्रमाधिगम के परिणाम

- रामायण के बालकाण्ड के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी साहित्यिक रसास्वादन कर सकेंगे।
- महाकवि कालिदास विरचित रघुवंश महाकाव्य के अध्ययन एवं अधिगम से महाकाव्य में वर्णित विषयवस्तु को अपने जीवन में अपना सकेंगे।
- विदुरनीति के अधिगमोपरान्त विद्यार्थी प्राचीन समाज के संविधान व नियमों का बोध कर सकेंगे।
- वीरकाव्यों के उत्तम ज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी अपने आप में चारित्रिक उत्कृष्टता विकसित कर सकेंगे।
- निबन्ध लेखन एवं अनुवाद कौशल के अधिगम से विद्यार्थियों में प्रवीणता विकसित हो सकेगी।
- प्रत्ययों के सामान्य ज्ञान के अधिगम से विद्यार्थियों की शब्दनिर्माण की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- प्रत्ययों के अधिगम से विभिन्न धातुओं में अनेक प्रत्ययों को जोडकर एवं प्रत्ययों से बने शब्दों में प्रकृति एवं प्रत्यय के अन्वेषण एवं पहचान में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न शब्दों में प्रयुक्त धातुओं की पहचान एवं अन्य धातुओं से नये शब्दों का निर्माण करने तथा सम्यक् स्थान पर उनका प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- लेखन एवं पठन के दौरान समागत विभिन्न त्रुटियों एवं अशुद्धियों को पहचान कर उचित संशोधन करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	डॉ. भेषराज शर्मा	हंसा प्रकाशन, जयपुर
2.	रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	डॉ. उषा शर्मा	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
3.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	डॉ. श्रीकृष्ण ओझा	अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
4.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	डॉ. बाबू लाल मीना	हंसा प्रकाशन, जयपुर
5.	विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	डॉ. श्रीकृष्ण ओझा	अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
6.	विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	डॉ. रेवतीरमण शास्त्री	यूनिक ट्रेडर्स, जयपुर
7.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8.	संस्कृतनिबन्धशतकम्	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
10.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
11.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

प्रभारी अकादमिक प्रथम

(Applicable for Non-Collegiate students only)

SEMESTER BASED SCHEME OF EXAMINATION

B.A. (SANSKRIT) THEORY PAPER OF SEM. VIth (W.E.F. 2025-2026)

CREDITS	: 06	PERIOD PER WEEK	: 06
EXAM TIME DURATION	: 03 HRS.	MAXIMUM MARKS	: 150
Minimum Passing Marks	: 60		

Paper Name & Paper code of B.A. (Sanskrit) IIIrd Year Semester – VIth

Code & Nomenclature of Paper		Total Credits & Marks of EoSE Assess.	
Paper Code	Nomenclature	Credit	**Marks**
SAN-10T-601	उपनिषद् एवं व्याकरण	06	150
SAN-10T-602	स्मृतिशास्त्र एवं व्याकरण		
SAN-10T-603	वीरकाव्य एवं व्याकरण		

उपर्युक्त प्रश्नपत्रों में से किसी एक का चयन करना है।

(स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु सामान्य निर्देश)

- षष्ठ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु 03 विकल्पों में पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र उपलब्ध होगा जिनमें से विद्यार्थी को एक का चयन करना है। प्रश्न–पत्र 150 अंकों का होगा।
- **स्वयंपाठी विद्यार्थियों का मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**
- स्वयंपाठी विद्यार्थियों की अर्द्धसत्रान्तपरीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम (40 प्रतिशत) अर्थात् 60 अंक अर्जित करने अनिवार्य हैं।
- सैद्धान्तिक परीक्षा हेतु 03 घंटे का समय निर्धारित होगा।
- प्रश्न–पत्र में श्लोक/गद्य/सूत्र संस्कृत भाषा में पूछे जा सकेंगे शेष हिन्दी भाषा में होगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि वह हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक द्वारा किसी प्रश्न–विशेष के लिए भाषा का निर्देश किया गया है तो उस प्रश्न का उत्तर निर्दिष्ट भाषा में ही देना अनिवार्य है।
- संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से अनुवाद, व्याख्या, लघूत्तरात्मक एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
- प्रश्नपत्र में संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, लेकिन जिस प्रश्नपत्र में संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत भाषा में उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक वाली बाध्यता नहीं होगी।
- प्रश्न–पत्र में 'अ' एवं 'ब' 02 भाग होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें सभी इकाईयों से बिना किसी आन्तरिक विकल्प के 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से प्रथम 05 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में देना होगा। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर हेतु शब्दसीमा अधिकतम 50 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 02 अंक निर्धारित हैं। प्रश्नपत्र में यदि संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा गया है तो उक्त 05 प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में भी स्वीकार्य होंगे।
- भाग 'ब' में प्रश्न सं. 02 से अन्तिम प्रश्न तक के प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प होंगे।

प्रभारी अकादमिक प्रथम

प्रथम वैकल्पिक पाठ्यक्रम / प्रश्नपत्र

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत) **Major Discipline Specific Elective Course**	
COURSE CODE	**SAN-10T-601**
प्रश्नपत्र का नाम	उपनिषद् एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित–अध्ययनावधि	90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथम वल्ली)	30
2.	श्वेताश्वतरोपनिषद् (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)	30
3.	प्रश्नोपनिषद्	30
4.	**संस्कृत निबन्ध एवं अनुवाद** **निबन्ध**– मम प्रियः कविः, कालिदासः, बाणभट्टः, भारविः, दूरदर्शनम्, सत्संगतिः, स्त्री–शिक्षा, भारतीयसंस्कृतिः, परोपकारः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्यायाः महत्त्वम्, पर्यावरणस्य महत्त्वम्, उद्योगस्य महत्त्वम्, विज्ञानस्य चमत्कारः। **अनुवाद**– संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत भाषा में।	35
5.	**प्रत्यय–ज्ञान**– तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, केलिमर्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, त्व, तल्, तरप्, तमप्, टाप्, ङीप्, ङीष् एवं ङीन् प्रत्ययों के सूत्र एवं उनसे बने शब्दों में प्रकृति–प्रत्यय सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।	25

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग में लघूत्तरा. प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय,प्रथमवल्ली)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
2.	श्वेताश्वतरोपनिषद् (अध्याय 1 एवं 2)	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
3.	प्रश्नोपनिषद्	02	04	4 अ सप्रसंग व्याख्या 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
4.	संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	02	04	5 अ संस्कृत निबन्ध 5 ब हिन्दी से संस्कृतानुवाद 5 स संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	15 2x4 1x8	4+31 =35
5.	प्रत्यय–ज्ञान	02	04	6 अ शब्द =? (प्रकृति+प्रत्यय) 6 ब प्रकृति+प्रत्यय =? (शब्द) 6 स सूत्रार्थ / उद्धरण में सूत्र	1x6 1x6 3x3	4+21 =25
कुल योग		**10**	**20**	**05**	**130**	**150**

प्रभारी अकादमिक प्रथम

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय,प्रथमवल्ली)	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/2	(अ) 04 मन्त्रों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी। (ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	8+8 10
द्वितीय इकाई श्वेताश्वतरोपनिषद् (अध्याय 1 एवं 2)	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/3	(अ) 04 मन्त्रों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी। (ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	8+8 10
तृतीय इकाई प्रश्नोपनिषद्	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/4	(अ) 04 मन्त्रों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी। (ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	8+8 10
चतुर्थ इकाई संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/5	(अ) निर्धारित निबन्धों में से 06 शीर्षक देकर किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा जायेगा।	15
		(ब) 06 हिन्दी वाक्य देकर 04 का संस्कृतानुवाद प्रष्टव्य।	2x4
		(स) 12 संस्कृत–सूक्तियाँ/संस्कृतवाक्य देकर 08 का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	1x8
पंचम इकाई प्रत्यय–ज्ञान	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/6	(अ) प्रत्ययों से बने 10 शब्द/उद्धरण देकर किन्हीं 06 शब्दों के प्रकृति एवं प्रत्यय पूछे जायेंगे। (ब) प्रकृति एवं प्रत्यय के योग से 06 शब्दों के निर्माण करवाये जायेंगे। (स) पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्ययों से सम्बन्धित 05 सूत्र देकर किन्हीं 03 का सूत्रार्थ प्रष्टव्य। अथवा प्रत्ययनिर्मित 05 उद्धरणों में से 03 में प्रयुक्त होने वाले सूत्र पूछे जायेंगे।	1X6 1X6 3x3
		कुल अंक	**150**

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथमवल्ली)	डॉ. देवेन्द्र नाथ पाण्डेय	हंसा प्रकाशन, जयपुर
2.	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय, प्रथमवल्ली)	डॉ. जे.सी. नारायणन्	अलंकार प्रकाशन, जयपुर
3.	श्वेताश्वतरोपनिषद् (अध्याय 1 एवं 2)	पं. राजा राम	आर्ष ग्रन्थावलि लाहौर
4.	ईशादि नौ उपनिषद्	गीता प्रेस गोरखपुर	गीता प्रेस गोरखपुर
5.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6.	संस्कृतनिबन्धशतकम्	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
8.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
9.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

प्रभारी अकादमिक प्रथम

द्वितीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम / प्रश्न पत्र

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत) Major Discipline Specific Elective Course	
Course Code	SAN-10T-602
प्रश्नपत्र का नाम	स्मृतिशास्त्र एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित–अध्ययनावधि	90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) श्लोक सं. 1 से 124वें श्लोक तक	30
2.	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) 125वें श्लोक सें अन्त तक	30
3.	याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	30
4.	**संस्कृत निबन्ध एवं अनुवाद** **निबन्ध**– मम प्रियः कविः, कालिदासः, बाणभट्टः, भारविः, दूरदर्शनम्, सत्संगतिः, स्त्री–शिक्षा, भारतीयसंस्कृतिः, परोपकारः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्यायाः महत्त्वम्, पर्यावरणस्य महत्त्वम्, उद्योगस्य महत्त्वम्, विज्ञानस्य चमत्कारः। **अनुवाद**– संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत भाषा में।	35
5.	**प्रत्यय–ज्ञान**– तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, केलिमर्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, त्व, तल्, तरप्, तमप्, टाप्, ङीप्, ङीष् एवं ङीन् प्रत्ययों के सूत्र एवं उनसे बने शब्दों में प्रकृति–प्रत्यय सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।	25

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग में प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	मनुस्मृति (अध्याय 2) श्लोक 1–124	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
2.	मनुस्मृति (अध्याय 2) शेष श्लोक	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
3.	याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	02	04	4 अ सप्रसंग व्याख्या 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
4.	संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	02	04	5 अ संस्कृत निबन्ध 5 ब हिन्दी से संस्कृतानुवाद 5 स संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	15 2x4 1x8	4+31 =35
5.	प्रत्यय–ज्ञान	02	04	6 अ शब्द =? (प्रकृति+प्रत्यय) 6 ब प्रकृति+प्रत्यय =? (शब्द) 6 स सूत्रार्थ / उद्धरण में सूत्र	1x6 1x6 3x3	4+21 =25
कुल योग		**10**	**20**	**05**	**130**	**150**

प्रभारी अकादमिक प्रथम

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग / प्रश्न क्रम	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई मनुस्मृति (अध्याय 2) श्लोक 1–124	**अ / 1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब / 2	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	8+8
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	10
द्वितीय इकाई मनुस्मृति (अध्याय 2) शेष श्लोक	**अ / 1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब / 3	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	8+8
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	10
तृतीय इकाई याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	**अ / 1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब / 4	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	8+8
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	10
चतुर्थ इकाई संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	**अ / 1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब / 5	(अ) निर्धारित निबन्धों में से 06 शीर्षक देकर किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा जायेगा।	15
		(ब) 06 हिन्दी वाक्य देकर 04 का संस्कृतानुवाद प्रष्टव्य।	2x4
		(स) 12 संस्कृत–सूक्तियाँ / संस्कृत–वाक्य देकर 08 का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	1x8
पंचम इकाई प्रत्यय–ज्ञान	**अ / 1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब / 6	(अ) प्रत्ययों से बने 10 शब्द / उद्धरण देकर किन्हीं 06 शब्दों के प्रकृति एवं प्रत्यय पूछे जायेंगे।	1X6
		(ब) प्रकृति एवं प्रत्यय के योग से 06 शब्दों के निर्माण करवाये जायेंगे।	1X6
		(स) पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्ययों से सम्बन्धित 05 सूत्र देकर किन्हीं 03 का सूत्रार्थ प्रष्टव्य। अथवा प्रत्ययनिर्मित 05 उद्धरणों में से 03 में प्रयुक्त सूत्र पूछे जायेंगे।	3x3
		कुल अंक	**150**

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	मनुस्मृति (अध्याय 2)	डॉ. श्याम शर्मा	नितिन पब्लिकेशन, अलवर
2.	मनुस्मृति (अध्याय 2)	डॉ. भेषराज शर्मा	हंसा प्रकाशन, जयपुर
3.	याज्ञवल्क्य स्मृति	डॉ. उमेश चन्द पाण्डेय	चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4.	याज्ञवल्क्य स्मृति	डॉ. गंगासागर राय	चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6.	संस्कृतनिबन्धशतकम्	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
8.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
9.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

तृतीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम / प्रश्न पत्र

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत) **Major Discipline Specific Elective Course**	
COURSE CODE	SAN-10T-603
प्रश्नपत्र का नाम	वीरकाव्य एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित–अध्ययनावधि	90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	रामायण बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	30
2.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	30
3.	महाभारत, उद्योगपर्व, विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	30
4.	**संस्कृत निबन्ध एवं अनुवाद** **निबन्ध**– मम प्रियः कविः, कालिदासः, बाणभट्टः, भारविः, दूरदर्शनम्, सत्संगतिः, स्त्री–शिक्षा, भारतीयसंस्कृतिः, परोपकारः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्यायाः महत्त्वम्, पर्यावरणस्य महत्त्वम्, उद्योगस्य महत्त्वम्, विज्ञानस्य चमत्कारः। **अनुवाद**– संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत भाषा में।	35
5.	**प्रत्यय–ज्ञान**– तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, केलिमर्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, त्व, तल्, तरप्, तमप्, टाप्, ङीप्, ङीष् एवं ङीन् प्रत्ययों के सूत्र एवं उनसे बने शब्दों में प्रकृति–प्रत्यय सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।	25

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग के प्र.1 में प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
2.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
3.	विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	02	04	4 अ सप्रसंग व्याख्या 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	8+8 10	4+26 =30
4.	संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	02	04	5 अ संस्कृत निबन्ध 5 ब हिन्दी से संस्कृतानुवाद 5 स संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	15 2x4 1x8	4+31 =35
5.	प्रत्यय–ज्ञान	02	04	6 अ शब्द =? (प्रकृति+प्रत्यय) 6 ब प्रकृति+प्रत्यय =? (शब्द) 6 स सूत्रार्थ / उद्धरण में सूत्र	1x6 1x6 3x3	4+21 =25
कुल योग		**10**	**20**	**05**	**130**	**150**

प्रभारी अकादमिक प्रथम

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग / प्रश्न क्रम	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/2	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	8+8
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	10
द्वितीय इकाई रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/3	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	8+8
		(ब) 02 समालोचनात्मक प्रश्नों में से 01 का उत्तर प्रष्टव्य।	10
तृतीय इकाई विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/4	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	8+8
		(ब) 02 समालोचनात्मक प्रश्नों में से 01 का उत्तर प्रष्टव्य।	10
चतुर्थ इकाई संस्कृतनिबन्ध एवं अनुवाद	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/5	(अ) निर्धारित निबन्धों में से 06 शीर्षक देकर किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा जायेगा।	15
		(ब) 06 हिन्दी वाक्य देकर 04 का संस्कृतानुवाद प्रष्टव्य।	2x4
		(स) 12 संस्कृत–सूक्तियाँ/संस्कृत–वाक्य देकर 08 का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	1x8
पंचम इकाई प्रत्यय–ज्ञान	**अ/1**	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब/6	(अ) प्रत्ययों से बने 10 शब्द/उद्धरण देकर किन्हीं 06 शब्दों के प्रकृति एवं प्रत्यय पूछे जायेंगे।	1X6
		(ब) प्रकृति+प्रत्यय युक्त 06 शब्दनिर्माण करवाये जायेंगे।	1X6
		(स) पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्ययों से 05 सूत्र देकर किन्हीं 03 का सूत्रार्थ प्रष्टव्य। अथवा प्रत्ययनिर्मित 05 उद्धरणों में से 03 में प्रयुक्त सूत्र पूछे जायेंगे।	3x3
		कुल अंक	**150**

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	डॉ. भेषराज शर्मा	हंसा प्रकाशन, जयपुर
2.	रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)	डॉ. उषा शर्मा	आयुर्वेद संस्कृतहिन्दी पुस्तक भण्डार,जयपुर
3.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	डॉ. श्रीकृष्ण ओझा	अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
4.	रघुवंश (द्वितीय सर्ग)	डॉ. बाबू लाल मीना	हंसा प्रकाशन, जयपुर
5.	विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	डॉ. श्रीकृष्ण ओझा	अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
6.	विदुरनीति (34वां, 35वां अध्याय)	डॉ. रेवती रमण शास्त्री	यूनिक ट्रेडर्स, जयपुर
7.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8.	संस्कृतनिबन्धशतकम्	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
10.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
11.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

प्रभारी अकादमिक प्रधान